नीलकंठ

Question 1.
घायल मोरनी का क्या नाम था?
(a) कुब्जा
(b) धन्नो
(c) मानो
(d) जानो

▼ Answer

Answer: (a) कुब्जा

Question 2.
महादेवी वर्मा के कबूतर का क्या नाम था?
(a) भग्गा
(b) जग्गा
(c) भानु
(d) लक्का

▼ Answer

Answer: (d) लक्का

Question 3.
नीलकंठ ने किसको मारा?
(a) कबूतर को
(b) बिल्ली को
(c) साँप को
(d) बिच्छू को

▼ Answer

Answer: (c) साँप को

Question 4.
मयूर कैसा पक्षी होता है?
(a) धन प्रिय
(b) वर्षा प्रिय
(c) कला प्रिय
(d) दूध प्रिय

▼ Answer

Answer: (c) कला प्रिय

Question 5.
विदेशी महिलाओं ने नीलकंठ को क्या उपाधि दी?

(a) महाराजाधिराज
(b) परफैक्ट जेंटिलमैन
(c) पक्षीसम्राट
(d) संगीत सम्राट

▼ Answer

Answer: (b) परफैक्ट जेंटिलमैन

Question 6.
लेखिका ने मोरनी का क्या नाम रखा?
(a) लक्ष्मी
(b) राधा
(c) गौरी
(d) गौरा

▼ Answer

Answer: (b) राधा

Question 7.
महादेवी वर्मा ने मोर का क्या नाम रखा?
(a) नीलकंठ
(b) नील कमल
(c) नटराज
(d) वसंतराज

▼ Answer

Answer: (a) नीलकंठ

Question 8.
महादेवी वर्मा जी ने मोर के बच्चे किससे खरीदे?
(a) अलगु चौधरी से
(b) होरी से
(c) अपने ड्राइवर से
(d) मियाँ चिड़िया वाले से

▼ Answer

Answer: (d) मियाँ चिड़िया वाले से

Question 9.
'नीलकंठ' पाठ निम्न में से क्या है?
(a) निबंध
(b) रेखाचित्र
(c) कहानी
(d) नाटक

▼ Answer

Answer: (b) रेखाचित्र

Question 10.
'नीलकंठ' पाठ किसने लिखा है?
(a) विद्यानिवास मिश्र ने
(b) महादेवी वर्मा ने
(c) प्रयाग शुक्ल ने
(d) बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' ने

▼ Answer

Answer: (b) महादेवी वर्मा ने

गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

प्रश्न-निम्नलिखित गद्यांशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर चुनिए.

1. बड़े मियाँ के भाषण की तूफानमेल के लिए कोई निश्चित स्टेशन नहीं है। सुनने वाला थककर जहाँ रोक दे वहीं स्टेशन मान लिया जाता है। इस तथ्य से परिचित होने के कारण ही मैंने बीच में उन्हें रोककर पूछा, "मोर के बच्चे हैं कहाँ?" बड़े मियाँ के हाथ के संकेत का अनुसरण करते हुए मेरी दृष्टि एक तार के छोटे-से पिंजड़े तक पहुँची जिसमें तीतरों के समान दो बच्चे बैठे थे। पिंजड़ा इतना संकीर्ण था कि वे पक्षी-शावक जाली के गोल फ्रेम में किसी जड़े चित्र जैसे लग रहे थे।

मेरे निरीक्षण के साथ-साथ बड़े मियाँ की भाषण-मेल चली जा रही थी, "ईमान कसम, गुरु जी-चिड़ीमार ने मुझसे इस मोर के जोड़े के नकद तीस रुपये लिए हैं। बारहा कहा, भई ज़रा सोच तो, अभी इनमें भोर की कोई खासियत भी है कि तू इतनी बड़ी कीमत ही माँगने चला! पर वह मूंजी क्यों सुनने लगा। आपका खयाल करके अछता-पछताकर देना ही पड़ा। अब आप जो मुनासिब समझे।" अस्तु, तीस चिड़ीमार के नाम के और पाँच बड़े मियाँ के ईमान के देकर जब मैंने वह छोटा पिंजड़ा कार में रखा तब मानो वह जाली के चौखटे का चित्र जीवित हो गया। दोनों पक्षी-शावकों के छटपटाने से लगता था मानो पिंजड़ा ही सजीव और उड़ने योग्य हो गया है।

Question 1.
बड़े मियाँ चिड़ी वाले की क्या विशेषता थी?
(a) वह चिड़ियों का अच्छा पारखी था
(b) वह बोलता बहुत था।
(c) वह पक्षियों को पकड़ने में उस्ताद था
(d) वह बहुत झूठ बोलता था।

▼ Answer

Answer: (b) वह बोलता बहुत था।

Question 2.
'पिंजरे में बंद मोर के बच्चे कैसे लग रहे थे?
(a) गोल फ्रेम में जड़े चित्र जैसे
(b) तीतर के बच्चों जैसे
(c) चिड़िया के बच्चे जैसे
(d) बड़े ही चंचल

▼ Answer

Answer: (a) गोल फ्रेम में जड़े चित्र जैसे

Question 3.
बड़े मियाँ चिड़ी वाले लेखिका को क्या कहकर संबोधित करते थे?
(a) मोहतरमा
(b) अध्यापिका जी
(c) टीचर जी
(d) गुरु जी

▼ Answer

Answer: (d) गुरु जी

Question 4.
लेखिका ने मोर के बच्चे कितने में लिए? .
(a) तीस रुपये
(b) चालीस रुपये
(c) पैंतीस रुपये
(d) पचास रुपये

▼ Answer

Answer: (c) पैंतीस रुपये

Question 5.
'पक्षी-शावक' में समास बताइए।
(a) तत्पुरुष समास
(b) कर्मधारय समास
(c) द्वंद्व समास
(d) अव्ययीभाव समास

▼ Answer

Answer: (a) तत्पुरुष समास

---

2. दोनों नवागंतुकों ने पहले से रहने वालों में वैसा ही कुतूहल जगाया जैसा नववधू के आगमन पर परिवार में स्वाभाविक है। लक्का कबूतर नाचना छोड़कर दौड़ पड़े और उनके चारों ओर घूम-घूमकर गुटरगूं-गुटरगूं की रागिनी अलापने लगे। बड़े खरगोश सभ्य सभासदों के समान क्रम से बैठकर गंभीर भाव से उनका निरीक्षण करने लगे। ऊन की गेंद जैसे छोटे खरगोश उनके चारों ओर उछल-कूद मचाने लगे। तोते मानो भली-भाँति देखने के लिए एक आँख बंद करके उनका परीक्षण करने लगे। उस दिन मेरे चिड़ियाघर में मानो भूचाल आ गया।

धीरे-धीरे दोनों मोर के बच्चे बढ़ने लगे। उनका कायाकल्प वैसा ही क्रमशः और रंगमय था जैसा इल्ली से तितली का बनना।

Question 1.
मोर के बच्चों ने लेखिका द्वारा पाले गए पशु-पक्षियों में कैसा कुतूहल जगाया?
(a) जैसा किसी उत्सव के समय होता है
(b) जैसा किसी बड़े जानवर के आने पर होता है
(c) जैसा परीक्षा के दिनों में होता है।
(d) जैसा नववधू के आगमन पर होता है

▼ Answer

Answer: (d) जैसा नववधू के आगमन पर होता है

Question 2.
कबूतर का क्या नाम था?
(a) लक्का
(b) अक्का
(c) लुक्का
(d) भग्गा

▼ Answer

Answer: (a) लक्का

Question 3.
खरगोश किस भाव से मोर के बच्चों का निरीक्षण कर रहा था?
(a) सभ्य सभासदों के भाव से
(b) गंभीर भाव से
(c) ईर्ष्या भाव से
(d) प्रेम भाव से

▼ Answer

Answer: (b) गंभीर भाव से

Question 4.
छोटे खरगोश की तुलना किससे की है?
(a) मुलायम घास से
(b) चाँद से
(c) ऊन की गेंद से।
(d) फुटबॉल से

▼ Answer

Answer: (c) ऊन की गेंद से।

Question 5.
'कायाकल्प' का समास विग्रह होगा
(a) काया में कल्प
(b) काया का कल्प
(c) काया का परिवर्तन
(d) शरीर का कल्प

▼ Answer

Answer: (a) काया में कल्प

---

3. मोर के सिर की कलगी और सघन, ऊँची तथा चमकीली हो गई। चोंच अधिक बंकिम और पैनी हो गई, गोल आँखों में इंद्रनी की नीलाभ द्युति झलकने लगी। लंबी नील-हरित ग्रीवा की हर भंगिमा में धूपछाँही तरंगें उठने-गिरने लगीं। दक्षिण-वाम दोनों पंखों में सलेटी और सफेद आलेखन स्पष्ट होने लगे। पूँछ लंबी हुई और उसके पंखों पर चंद्रिकाओं के इंद्रधनुषी रंग उद्दीप्त हो उठे। रंग-रहित पैरों को गर्वीली गति ने एक नयी गरिमा से रंजित कर दिया। उसका गरदन ऊँची कर देखना, विशेष भंगिमा के साथ उसे नीची कर दाना चुगना, पानी पीना, टेढ़ी कर शब्द सुनना आदि क्रियाओं में जो सुकुमारता और सौंदर्य था, उसका अनुभव देखकर ही किया जा सकता है। पति का चित्र नहीं आँका जा सकता।

Question 1.
मोर की कलगी के लिए किस विशेषण का प्रयोग किया गया है?
(a) सघन
(b) ऊँची
(c) चमकीली
(d) उपर्युक्त तीनों

▼ Answer

Answer: (d) उपर्युक्त तीनों

Question 2.
मोर की गरदन पर कैसी तरंगे उठने लगी थी?
(a) धूप छाँही तरंगे
(b) नीली-हरी तरंगे
(c) श्याम-श्वेत तरंगे
(d) नीली-पीली तरंगे

▼ Answer

Answer: (a) धूप छाँही तरंगे

Question 3.
मोर के पंखों पर कैसे रंग चमकने लगे थे?
(a) नीले रंग
(b) इन्द्रधनुषी रंग
(c) बादले जैसे रंग
(d) हरे घास जैसे रंग

▼ Answer

Answer: (b) इन्द्रधनुषी रंग

Question 4.
मोर के सौन्दर्य में एक प्रकार की……….थी।
(a) लज्जा
(b) स्वाभाविकता
(c) गति
(d) सुकुमारता

▼ Answer

Answer: (c) गति

Question 5.
'सकुमारता' में उपसर्ग व प्रत्यय अलग कीजिए।
(a) 'सु' उपसर्ग 'ता' प्रत्यय
(b) 'ता' उपसर्ग 'सु' प्रत्यय
(c) 'सुकुमार' उपसर्ग 'ता' प्रत्यय
(d) 'कुमार' उपसर्ग 'ता' प्रत्यय

▼ Answer

Answer: (a) 'सु' उपसर्ग 'ता' प्रत्यय

---

4. राधा नीलकंठ के समान नहीं नाच सकती थी, परंतु उसकी गप्ति में भी एक छंद रहता था। वह नृत्यमग्न नीलकंठ की दाहिनी ओर के पंख को छूती हुई बाईं ओर निकल आती थी और बाएँ पंख को स्पर्श कर दाहिनी ओर। इस प्रकार उसकी परिक्रमा में भी एक पूरक ताल-परिचय मिलता था। नीलकंठ ने कैसे समझ लिया कि उसका नृत्य मुझे बहुत भाता है, यह तो बताया जा सकता, परंतु अचानक एक दिन वह मेरे जालीघर के पास पहुँचते ही अपने झूले से उतरकर नीचे आ गया और पंखों का सतरंगी मंडलाकार छाता तानकर नृत्य की भंगिमा में खड़ा हो गया। तब से यह नृत्य-भंगिमा नित्य का क्रम बन गई। प्रायः मेरे साथ कोई-न-कोई देशी-विदेशी अतिथि भी पहुँच जाता था और नीलकंठ की मुद्रा को अपने प्रति सम्मानपूर्वक समझकर विस्मयाभिभूत हो उठता था। कई विदेशी महिलाओं ने उसे 'परफैक्ट जेंटिलमैन' की उपाधि दे डाली।

Question 1.
मोरनी का नाम क्या था?
(a) सुजाता
(b) मोहिनी
(c) अनुराधा
(d) राधा

▼ Answer

Answer: (d) राधा

Question 2.
नीलकंठ ने क्या समझ लिया था?
(a) राधा उसका साथ नहीं छोड़ेगी
(b) राधा को उसका नत्य अच्छा लगता है
(c) लेखिका को उसका नृत्य बहुत अच्छा लगता है
(d) राधा उस जैसा नाच नहीं सकती

▼ Answer

Answer: (c) लेखिका को उसका नृत्य बहुत अच्छा लगता है

Question 3.
नीलकंठ की कौन-सी भंगिमा नित्य का क्रम बन गई?
(a) बाहर जाकर नाचना
(b) सतरंगी मंडलाकार छाता तानकर नृत्य की भंगिमा में खड़ा होना
(c) राधा का अनुसरण करके नृत्य करना
(d) लेखिका को देखकर नाचने लगना

▼ Answer

Answer: (b) सतरंगी मंडलाकार छाता तानकर नृत्य की भंगिमा में खड़ा होना

Question 4.
विदेशी महिलाएँ नीलकंठ को क्या कहती थी?
(a) नीलकंठ
(b) सुंदर पक्षी

(c) सुकुमार पक्षी
(d) परफैक्ट जेंटिलमैन

▼ Answer

Answer: (d) परफैक्ट जेंटिलमैन

Question 5.
'मंडलाकार' में स्वर संधि का का कौन-सा भेद है?
(a) दीर्घ संधि
(b) गुण संधि
(c) वृद्धि संधि
(d) यण संधि

▼ Answer

Answer: (a) दीर्घ संधि

---

5. नीलकंठ और राधा की सबसे प्रिय ऋतु तो वर्षा ही थी। मेघों के उमड़ आने से पहले ही वे हवा में उसकी सजल आहट पा लेते थे और तब उनकी मंद केका की गूंज-अनुगूंज तीव्र से तीव्रतर होती हुई मानो बूंदों के उतरने के लिए सोपान-पंक्ति बनने लगती थी। मेघ के गर्जन के ताल पर ही उसके तन्मय नृत्य का आरंभ होता। और फिर मेघ जितना अधिक गरजता, बिजली जितनी अधिक चमकती, बूंदों की रिमझिमाहट जितनी तीव्र होती जाती, नीलकंठ के नृत्य का वेग उतना ही अधिक बढ़ता जाता और उसकी केका का स्वर उतनी ही मंद्र से मंद्रतर होता जाता। वर्षा के थम जाने पर वह दाहिने पंजे पर दाहिना पंख और बाएँ पर बायाँ पंख फैलाकर सुखाता। कभी-कभी वे दोनों एक-दूसरे के पंखों से टपकने वाली बूंदों को चोंच से पी-पीकर पंखों का गीलापन दूर करते रहते।

Question 1.
नीलकंठ और राधा की सबसे प्रिय ऋतु कौन-सी थी?
(a) वसंत ऋतु
(b) ग्रीष्म ऋतु
(c) वर्षा ऋतु
(d) शरद ऋतु

▼ Answer

Answer: (c) वर्षा ऋतु

Question 2.
मोर की बोली को क्या कहते हैं?
(a) केकारव
(b) कलरव
(c) कोलाहल
(d) कल-कल

▼ Answer

Answer: (a) केकारव

Question 3.
मेघ किसके ताल पर नृत्य आरंभ करता था?
(a) राधा के

(b) तबले के
(c) अन्य पक्षियों के
(d) मेघ के

▼ Answer

Answer: (d) मेघ के

Question 4.
'अनुगूंज' का अर्थ होगा
(a) आवाज निकालना।
(b) आवाज में आवाज मिलाना
(c) खूब आवाज करना
(d) आसमान सिर पर उठाना

▼ Answer

Answer: (b) आवाज में आवाज मिलाना

Question 5.
निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द मेघ का पर्याय नहीं है?
(a) घन
(b) नीरज
(c) जलद
(d) वारिद

▼ Answer

Answer: (b) नीरज